Roll No. .....

E–382

M. A. (Second Semester) (Main/ATKT)

EXAMINATION, May-June, 2021

HINDI

Paper Sixth

(मध्यकालीन काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 80*

नोट : निर्देशानुसार सभी खण्डों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–अ प्रत्येक 1

(वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. कृष्ण काव्य धारा के प्रमुख पात्र हैं :
   (अ) श्रीकृष्ण
   (ब) श्रीराम
   (स) सीताराम
   (द) शिवजी
2. सूरदास की रचना नहीं है :
   (अ) सूर सागर
   (ब) साहित्य लहरी
   (स) सुजान सागर
   (द) सूर सारावली

3. तुलसीदास की दृष्टि में 'राम' कैसे हैं ?
   (अ) सबके प्रभु हैं
   (ब) सबमें व्याप्त हैं
   (स) सबकी गति जानते हैं
   (द) ये तीनों
4. त्रिजटा नामक राक्षसी पुत्री थी :
   (अ) मेघनाथ की
   (ब) रावण की
   (स) कुंभकरण की
   (द) विभीषण की
5. बिहारी की भेंट किस कवि से हुई थी जहाँ उनको अनंत अशर्फियाँ दी गई थीं ?
   (अ) कबीर
   (ब) रहीम
   (स) रहमान
   (द) रसखान
6. बिहारी की एकमात्र कृति है :
   (अ) बिहारी विनोद
   (ब) बिहारी पच्चीसी
   (स) बिहारी सतसई
   (द) बिहारी पदावली

7. कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है :

(अ) केशव

(ब) देव

(स) पद्माकर

(द) मीरा

8. काव्य क्षेत्र में केशवदास की गणना किस काल के कवियों में की जाती है ?

(अ) आदिकाल

(ब) रीतिकाल

(स) आधुनिक काल

(द) उपर्युक्त में से किसी में नहीं

9. कवि देव का पूरा नाम था :

(अ) कृष्णदत्त

(ब) गणेशदत्त

(स) देवदत्त

(द) महेशदत्त

10. भूषण का प्रधान रस था :

(अ) शृंगार रस

(ब) करुण रस

(स) वीर रस

(द) रौद्र रस

11. भूषण की गणना किन कवियों में की जाती है ?

(अ) राष्ट्रीयता प्रेम कवि

(ब) शृंगारी कवि

(स) वियोग कवि

(द) अद्भुत कवि

12. पद्माकर को 'कवि शिरोमणि' उपाधि के दाता थे :

(अ) रघुनाथ राव

(ब) अर्जुन सिंह

(स) जगतसिंह

(द) प्रताप सिंह

13. 'जगद् विनोद' रचना है :

(अ) भूषण की

(ब) देव की

(स) पद्माकर की

(द) मतिराम की

14. रीतिमुक्त धारा के कवि हैं :

(अ) केशव

(ब) घनानंद

(स) बिहारी

(द) चिन्तामणि

15. घनानंद की प्रेमिका का नाम है :
    (अ) रत्नावली
    (ब) नागमती
    (स) सुजान
    (द) संयोगिता

16. अष्टछाप के भक्त कवि हैं :
    (अ) जायसी
    (ब) कबीर
    (स) कुंभनदास
    (द) तुलसीदास

17. कुंभनदास के इष्टदेव हैं :
    (अ) श्रीराम
    (ब) श्रीनाथ
    (स) श्रीदामा
    (द) श्रीसुदामा

18. 'सुंदरकाण्ड' के नायक हैं :
    (अ) श्री राम
    (ब) श्री हनुमान
    (स) श्री लक्ष्मण
    (द) श्री रावण

19. सूरदास ने किस आधार पर सूरसागर की रचना की ?
    (अ) श्रीमद् भागवत पुराण
    (ब) रामायण
    (स) पुराण
    (द) रामचरितमानस

20. समन्वयवादी भक्त कवि हैं :
    (अ) रसखान
    (ब) कुंभनदास
    (स) सूरदास
    (द) तुलसीदास

खण्ड—ब प्रत्येक 2

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भ्रमर गीत किसे कहते हैं ?
2. भ्रमर गीत रचना का प्रधान रस कौन-सा है ?
3. तुलसीदास का बचपन का नाम क्या था ?
4. तुलसीदास द्वारा रचित महाकाव्य का नाम लिखिए।
5. कवि बिहारी किस राजा के दरबारी कवि थे ?
6. केशव को किस ग्रंथ में ख्याति प्राप्त हुई ?
7. रीति काल के **दो** कवियों के नाम लिखिए।
8. सूरदास ने किस भाषा में 'सूरसागर' की रचना की ?

खण्ड—स प्रत्येक 3

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : 75 शब्दों में सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सूरदास के भ्रमरगीत की **तीन** विशेषताएँ लिखिए।
2. तुलसीदास द्वारा रचित सुंदरकांड के आधार पर हनुमान जी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. मुक्तक रचना की दृष्टि से बिहारी-सतसई की किन्हीं **तीन** विशेषताओं को लिखिए।

4. केशव को कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है ? आप इससे कहाँ तक सहमत हैं ? तर्क दीजिए।

5. कवि देव के काव्य का कला पक्ष लिखिए।

6. भूषण के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

7. पद्माकर के काव्य का प्रकृति चित्रण लिखिए।

8. "घनानंद रीति काल के स्वच्छन्द धारा के कवि थे।" इस कथन को सोदाहरण लिखिए।

खण्ड—द प्रत्येक 5

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

आये जोग सिखावन पांड़े।
परमारथी पुराननि लादे, ज्यों वनजारे टांड़े।
हमरी गति मति कमल नयन की, जोग़ सिखेते रांड़े।
कहो मधुप कैसे समायँगे, एक म्यान में दो खांड़े।
कहु षटपद् कैसे खैयतु है, हाथिन के संग गांड़े।

अथवा

लंका निसिचर निकर निवासा। इहाँ कहाँ सज्जन कर वासा।
मन महुँ तरक करैं कपि लागा। तेहीं समय विभीषण जागा।
राम-राम तेहिं सुमिरन कीन्हा। हृदय हरष कपि सज्जन चीन्हा।
एहि सन हठि करिहउँ पहिचानी। साधु ते होइ न कारज हानी।

अथवा

तो पर वारौं उरबसी, सुनि राधिके सुजान।
तू मोहन कैं उर बसी ै उरबसी समान।
कीन्हें हूँ कोटिक जतन अब कहि काढ़ै कौनु।
मों मन मोहन-रूप मिलि, पानी में कौ लौनु।

2. "सूरसागर का सबसे मर्मस्पर्शी और वाग्वैदग्ध्यपूर्ण अंश भ्रमरगीत है जिसमें गोपियों की वचनवक्रता अत्यंत मनोहारिणी है। ऐसा सुंदर उपालंभ काव्य में और कहीं नहीं मिलता।" प्रस्तुत कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए।

अथवा

तुलसीदास की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।

3. "बिहारी शृंगारी ही नहीं भक्त कवि भी हैं। उनकी भक्ति उच्चकोटि की है।" इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? लिखिए।

अथवा

बिहारी की काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण समझाइए।

4. भक्तिकाल की विशेषताओं को सोदाहरण लिखिए।

अथवा

घनानंद की विरह व्यंजना पर अपने विचार लिखिए।